खबर संक्षेप

जल गंगा संवर्धन एवं गंगा दशहरा के उपलक्ष में विधायक द्वारा सीढ़ी का लोकार्पण

नारायणगंज। निवास विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक और जननायक माननीय श्री चैन सिंह वरकड़े जी द्वारा आज विकास खंड नारायणगंज के अंतर्गत ग्राम पंचायत कूम्हा में माँ नर्मदा जी के पावन तट पर स्थित कुंभेश्वर घाट में सीढ़ी निर्माण कार्य का भव्य लोकार्पण किया गया। श्रद्धालुओं और स्थानीय ग्रामीणों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विधायक निधि से 10 लाख की लागत से यहाँ भव्य सीढ़ी निर्माण का कार्य कराया गया है, जिसका लाभ अब क्षेत्र की जनता को मिलेगा। इस गरिमामय अवसर पर क्षेत्र के अनेक जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ नेता और बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से ग्राम पंचायत सरपंच श्री अखिलेश मरावी ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राजुल ज्योतिषी, वरिष्ठ कार्यकर्ता श्री मांगन सोनी, रघुनंदन विश्वकर्मा, श्री इमरत लाल धुर्वे, रतन सिंह वरकड़े, संदीप सोनी, रितेश ट्विंकल सोनी, राजकुमार तेकाम, रूपेश अग्रवाल, हिरदेश साहू, सौरभ साहू, मयूर श्रीवास, चेतराम, गंगाराम यादव, अखिलेश मरावी सरपंच, बसंत वरकड़े, मिथलेश बैरागी, कुन्नी लाल मलगाम, रामकृष्ण पटवा, अशोक मरावी, सहित स्थानीय प्रशासन और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। घाट और सीढ़ियों के निर्माण से माँ नर्मदा के दर्शन और स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को अब काफी सुगमता होगी। इस सौगात के लिए ग्राम पंचायत कूम्हा के समस्त ग्रामीणों और वरिष्ठ जनों ने जनप्रिय विधायक चैन सिंह वरकड़े का हृदय से आभार व्यक्त किया और उनके द्वारा क्षेत्र में किए जा रहे निरंतर विकास कार्यों की सराहना की।

आईटीआई मंडला में प्रवेश पंजीयन शुरू, 30 जून तक कर सकेंगे आवेदन

मण्डला। जिले की शासकीय आईटीआई संस्थाओं में सत्र 2026 के लिए प्रवेश पंजीयन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। जिले की शासकीय आईटीआई मंडला, निवास, नारायणगंज, बीजाडांडी, मवई, घुघरी एवं मोहगांव में संचालित एनसीवीटी/ एससीवीटी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी ऑनलाइन माध्यम से विभागीय डीएसडी पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं।प्राचार्य शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था मंडला द्वारा जारी सूचना के अनुसार अभ्यर्थी विभागीय पोर्टल ण्केकण्उचण्हवअण्पद पर जाकर 30 जून 2026 तक पंजीयन एवं त्रुटि सुधार कर सकेंगे। प्रवेश से संबंधित सभी जानकारी पोर्टल पर उपलब्ध रहेगी। आवेदक ऑनलाइन सहायता केंद्र अथवा स्वयं मोबाइल और कम्प्यूटर के माध्यम से भी आवेदन भर सकते हैं। साथ ही कार्य दिवसों में संबंधित आईटीआई संस्थाओं में स्थापित हेल्प डेस्क से जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

कांग्रेस व ग्रामीणजनों ने बिजली समस्याओं को लेकर धरना प्रदर्शन कर विद्युत कार्यालय का किया घेराव

मुख्यमंत्री के नाम नायब तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

मण्डला। जिले के ब्लॉक मुख्यालय मोहगांव में लगातार बिगड़ती बिजली व्यवस्था, अघोषित कटौती और ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ती परेशानियों को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी महासचिव किशोर अग्रवाल के नेतृत्व में बड चैराहा मोहगाँव में 25 मई सोमवार को धरना प्रदर्शन कर विद्युत कार्यालय मोहगांव का घेराव किया गया। इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और ग्रामीणजन शामिल रहे। कार्यक्रम में बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा के विधायक प्रतिनिधि नेतराम साहू भी मौजूद रहे, जिन्होंने जनता की समस्याओं को लेकर विद्युत विभाग पर जमकर निशाना साधा।

भीषण गर्मी के बीच लगातार बिजली कटौती से परेशान ग्रामीणों का गुस्सा सोमवार को सड़क पर दिखाई दिया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मोहगांव विद्युत कार्यालय पहुंचकर विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि क्षेत्र में घंटों बिजली गुल रहती है, जिससे आम जनता, किसान, व्यापारी और छात्र सभी परेशान हैं। गांवों में लो वोल्टेज और बार-बार ट्रिपिंग की समस्या भी लगातार बनी हुई है।

प्रदर्शन के दौरान बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा के विधायक प्रतिनिधि नेतराम साहू ने कहा कि सरकार बिजली व्यवस्था सुधारने के बड़े-बड़े दावे कर रही है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है। उन्होंने आरोप लगाया कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोग अंधेरे में रहने को मजबूर हैं और विभाग शिकायतों के बाद भी गंभीरता नहीं दिखा रहा। उन्होंने कहा कि किसान सिंचाई नहीं कर पा रहे, छोटे व्यापारी प्रभावित हो रहे हैं और बच्चों की पढ़ाई तक बाधित हो रही है।

कांग्रेस नेताओं और ग्रामीणों ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को ज्ञापन सौंपते हुए मांग की कि अघोषित बिजली कटौती तत्काल बंद की जाए, खराब ट्रांसफार्मर जल्द बदले जाएं और ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।

घेराव कार्यक्रम के दौरान कार्यालय परिसर में काफी देर तक हंगामे की स्थिति बनी रही। बड़ी संख्या में मौजूद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सरकार और विद्युत विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। वहीं विभागीय अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को समस्याओं के जल्द निराकरण का आश्वासन दिया।

गौरतलब है कि जिले के कई ग्रामीण क्षेत्रों में इन दिनों बिजली संकट गहराया हुआ है। लगातार हो रही कटौती और तकनीकी समस्याओं से लोग परेशान हैं। ऐसे में कांग्रेस ने इस मुद्दे को लेकर सरकार पर दबाव बनाना शुरू कर दिया है। अब देखना होगा कि विभाग लोगों की समस्याओं का समाधान कब तक कर पाता है।

विधुत कार्यालय में पुलिस बल रहा तैनात

कांग्रेस के द्वारा धरना प्रदर्शन व विधुत कार्यालय का घेराव कार्यक्रम को देखते हुए मोहगाँव थाना प्रभारी वेदराम हनोते ने अपनी पूरी स्टाफ के साथ तैनात रहा बता दें कि इस समय विधुत विभाग द्वारा मनमानी विधुत कटौती से आमजन भारी आक्रोशित है। पुलिस बल मौजूदगी में धरना प्रदर्शन व विधुत विभाग का घेराव शांति पूर्वक रहा।

मुख्यमंत्री के नाम नायब तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन -

कांग्रेस के द्वारा मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन के नाम नायब तहसीलदार मोहगाँव के माध्यम से ज्ञापन सौंपा गया है,ज्ञापन में कहा गया है कि विधुत विभाग की बिगडती व्यवस्था को सुधार करावें,क्योंकि इस भीषण गर्मी में विधुत विभाग द्वारा जमकर विधुत कटौती की जा रही जिससे आमजनों को भारी परेशानियों का दंश झेलना पड रहा है, नायब तहसीलदार ने ज्ञापन को शीघ्र ही शासन तक कार्यवाही हेतु भेजने का आश्वासन दिया। इस दौरान जिला कांग्रेस महासचिव किशोर अग्रवाल,बिछिया विधायक प्रतिनिधि नेतराम साहू, जनसमस्या प्रकोष्ठ कांग्रेस जिला अध्यक्ष हसीब खान,ब्लाक युवा कांग्रेस अध्यक्ष जयपाल मार्को,पूर्व मंडलम अध्यक्ष प्रकाश पदम,सरपंच गुडडी बाई भारतीया, जनपद सदस्य प्रेमलता उइके, जनपद गोंदिया परते,जाकिर हुसैन, लंकेश मरावी, रामनौमी केराम, अरुण बैरागी,राम लाल कोर्चे,महेंद्र धुर्वे, फग्गन मरावी, सरजू परते , दादू लाल आर्मो,रज्जु भारतीया, कांता धुर्वे,जिला मीडिया प्रभारी किशन टांडिया सहित अन्य कांग्रेसी व आमजन भारी संख्या में उपस्थित रहे।

जनप्रतिनिधियों एवं कलेक्टर ने मां नर्मदा को अर्पित की चुनरी, दुग्धाभिषेक कर मांगी जिले की सुख-समृद्धि

चुनरी यात्रा के बाद माहिष्मती घाट पर गूंजा रुद्राष्टक

गंगा दशहरा पर नर्मदा भक्ति में डूबा मंडला

मण्डला। गंगा दशहरा के पावन अवसर पर जिलेभर में जल संरक्षण और नर्मदा संवर्धन को लेकर विविध आयोजन किए गए। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत स्थानीय सर्किट हाउस से माहिष्मती घाट तक भव्य चुनरी यात्रा निकाली गई। हर-हर नर्मदे और जल है तो कल है के जयघोष के साथ निकली इस यात्रा में महिलाओं, युवाओं और नर्मदा भक्तों की बड़ी भागीदारी रही। जैसे ही श्रद्धालुओं का समूह माहिष्मति घाट पहुंचा, पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।

सर्किट हाउस से घाट तक गूंजे जल संरक्षण के संदेश -

शाम 5 बजे सर्किट हाउस से शुरू हुई चुनरी यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं पीले और लाल परिधानों में सिर पर मां नर्मदा की चुनरी लेकर शामिल हुईं। यात्रा के दौरान मां नर्मदा का निर्मल जल, जीवन का आधार और बूंद-बूंद से घट भरता है जैसे जल संरक्षण के संदेश गूंजते रहे। यात्रा सर्किट हाउस से प्रारंभ होकर रेवांचल पार्क एवं कला दीर्घा मार्ग से होते हुए माहिष्मती घाट पहुंची।

जनप्रतिनिधियों एवं कलेक्टर ने किया विधिवत पूजन -

माहिष्मती घाट पर नगर पालिका अध्यक्ष श्री विनोद कछवाहा, कलेक्टर श्री राहुल नामदेव धोटे, अपर कलेक्टर श्री राजेंद्र कुमार सिंह एवं सीईओ जिला पंचायत श्री शास्वत सिंह मीना ने जनप्रतिनिधियों के साथ मां नर्मदा का विधिवत पूजन-अर्चन किया। सभी ने श्रद्धापूर्वक मां नर्मदा को चुनरी अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

पंच चैकी महाआरती में गूंजा रुद्राष्टक -

पूजन उपरांत मां नर्मदा की भव्य पंच चैकी महाआरती आयोजित की गई। पुरोहितों द्वारा रुद्राष्टक का पाठ एवं नर्मदाष्टक का सस्वर गायन किया गया। सैकड़ों श्रद्धालुओं ने समवेत स्वर में मां नर्मदा की आरती कर वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। महाआरती के समापन पर मंत्रोच्चार के बीच मां नर्मदा का दुग्धाभिषेक एवं पुष्पांजलि अर्पित कर जिले की सुख-समृद्धि, खुशहाली और मंगलकामना की गई।

"नर्मदा हमारी संस्कृति है, संरक्षण हमारा दायित्व" -

इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्री शैलेश मिश्रा, समाजसेवी श्री प्रफुल्ल मिश्रा, श्री जयदत्त झा, एसडीएम मंडला श्रीमती सोनल सिडाम, एसीईओ जिला पंचायत श्री विनोद मरावी, सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास श्री रोहित बड़कुल, सहायक परियोजना अधिकारी श्री कपिल तिवारी सहित बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री धोटे ने कहा कि गंगा दशहरा हमें यह संदेश देता है कि नदियां केवल जल का स्त्रोत नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति और आस्था की पहचान हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान का उद्देश्य मां नर्मदा को स्वच्छ, निर्मल और अविरल बनाए रखना है। प्रत्येक नागरिक यह संकल्प ले कि नदी में कचरा नहीं डालेगा और जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाएगा।

ग्राम पंचायत खैरी बड़ी माई मंदिर में 5वें व 15वें वित्त की राशि से बनी बाउंड्रीवॉल चढ़ी भ्रष्टाचार की भेंट

नारायणगंज। जनपद पंचायत नारायणगंज के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत खैरी से भ्रष्टाचार और घटिया निर्माण का एक गंभीर मामला सामने आया है। यहाँ प्रसिद्ध धार्मिक स्थल बड़ी माई में 5वें और 15वें वित्त आयोग की 5.51 लाख रुपये की लागत से बनाई गई बाउंड्री वॉल निर्माण के कुछ समय भीतर ही पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है। तकनीकी मापदंडों को ताक पर रखकर किए गए इस निर्माण के कारण अब यहाँ आने वाले श्रद्धालुओं की जान पर बन आई है।

प्रमुख बिंदु और वर्तमान स्थिति -

भ्रष्टाचार की गवाही देती दरारेंरू निर्माणाधीन और नई बनी इस बाउंड्री वॉल में जगह-जगह चैड़ी और गहरी दरारें पड़ चुकी हैं। दीवार का एक बड़ा हिस्सा कभी भी जमींदोज हो सकता है।

सीमेंट के खंभों का कामचलाऊ सहारारू निर्माण की पोल खुलने के बाद, दीवार को गिरने से बचाने के लिए ठेकेदार और पंचायत प्रशासन द्वारा सीमेंट के खंभों (च्वससे) का जुगाड़ू सहारा लगाया गया है, जो खुद इस घटिया निर्माण का सबसे बड़ा सबूत है।

श्रद्धालुओं के लिए श्खतरे की घंटीश्रू बेड़ी माई एक आस्था का केंद्र है, जहाँ हर दिन सैकड़ों श्रद्धालुओं का ताँता लगा रहता है। वर्तमान में यह क्षतिग्रस्त दीवार यहाँ आने वाले मासूम बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के लिए श्खतरे की घंटीश बन चुकी है। बड़ी दुर्घटना की आशंकारू यदि इस दीवार को तुरंत दुरुस्त या दोबारा सही तरीके से नहीं बनाया गया, तो यहाँ कभी भी कोई बड़ी जनहानि या अप्रिय दुर्घटना घटित हो सकती है।

ग्रामीणों में भारी आक्रोश, जांच की मांग -

स्थानीय ग्रामीणों और श्रद्धालुओं का कहना है कि शासकीय राशि का खुलेआम दुरुपयोग किया गया है और अधिकारियों की मिलीभगत से गुणवत्ता के साथ बड़ा खिलवाड़ हुआ है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि इस घटिया निर्माण की तुरंत उच्च स्तरीय तकनीकी जांच कराई जाए। दोषी सरपंच, सचिव और संबंधित उपयंत्री (सब-इंजीनियर) पर सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाए। किसी भी हादसे को रोकने के लिए इस असुरक्षित ढांचे को हटाकर अविलंब मजबूत निर्माण कराया जाए।

पुलिस महानिरीक्षक द्वारा अपराध समीक्षा बैठक सम्पन्न, लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश

मण्डला। पुलिस कंट्रोल रूम मंडला में अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस महानिरीक्षक श्री ललित शाक्यवार द्वारा जिले की कानून व्यवस्था, लंबित अपराधों एवं विभिन्न अभियानों की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान लंबित मर्ग प्रकरण, गंभीर अपराध, लंबित चालान, फरार आरोपियों की गिरफ्तारी एवं लंबित विवेचनाओं की समीक्षा करते हुए सभी थाना एवं चैकी प्रभारियों को लंबित प्रकरणों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

महिला संबंधी अपराधों की रोकथाम -

महिला संबंधी अपराधों की रोकथाम एवं महिला सुरक्षा को लेकर विशेष रूप से निर्देशित किया गया कि महिला अपराधों में त्वरित एवं संवेदनशील कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। महिला संबंधी शिकायतों का समयबद्ध निराकरण, पीड़िताओं के प्रति संवेदनशील व्यवहार, महिला हेल्प डेस्क की प्रभावी कार्यप्रणाली एवं महिला सुरक्षा संबंधी जनजागरूकता कार्यक्रमों को और अधिक सक्रिय रूप से संचालित करने पर जोर दिया गया। साथ ही महिला एवं बाल अपराधों में आरोपियों के विरुद्ध प्रभावी वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

थाना प्रबंधन एवं जनसंवाद पर जोर -

थाना परिसरों की साफ-सफाई, अभिलेखों के सुव्यवस्थित संधारण, जप्ती माल के निराकरण, लंबित वारंटों की तामिली एवं बीट व्यवस्था को मजबूत बनाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए।

गणमान्य नागरिक से संवाद -

पुलिस महानिरीक्षक द्वारा पत्रकार बंधुओं एवं गणमान्य नागरिकों के साथ विशेष संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कानून व्यवस्था, यातायात, साइबर अपराध एवं जनजागरूकता से संबंधित विषयों पर चर्चा की गई तथा प्राप्त सुझावों पर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। बैठक एवं संवाद कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक मंडला राजेश रघुवंशी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा, एसडीओपी मंडला पीयूष मिश्रा, एसडीओपी बिछिया सौरभ तिवारी, एसडीओपी नैनपुर मनीष राज, समस्त थाना एवं चैकी प्रभारी, रक्षित निरीक्षक सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

बम्हनी बंजर के मुख्य मार्ग में बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों से जनता परेशान

बम्हनीबंजर। बम्हनीबंजर के वार्ड क्रमांक 13 में नाका से सतबहनी तक लगी स्ट्रीट लाइटें लंबे समय से बंद पड़ी हैं। लगातार शिकायतों के बावजूद अब तक सुधार कार्य शुरू नहीं होने से स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। रात के समय पूरे मार्ग पर अंधेरा छाया रहता है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि कई बार नगर परिषद अधिकारियों को शिकायत दी गई, लेकिन जिम्मेदारों ने समस्या को गंभीरता से नहीं लिया। लोगों का आरोप है कि नगर परिषद की लापरवाही के कारण दुर्घटना और असामाजिक गतिविधियों का खतरा बढ़ गया है। क्षेत्रवासियों ने जल्द से जल्द बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों को सुधारने की मांग की है।

वार्डवासियों ने बताया कि 3 महीने से बंद पड़ी है स्टेट लाइट नगर परिषद में इसकी जानकारी भी दी गई लेकिन उनके द्वारा इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। नागरिकों का कहना है कि भीषण गर्मी और अंधेरे की समस्या ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी मौन बने हुए हैं।

भीषण गर्मी में बढ़ी मुश्किलें -

देवगांव में इन दिनों लो वोल्टेज की गंभीर समस्या से ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। भीषण गर्मी के बीच पर्याप्त बिजली नहीं मिलने से घरों में पंखे, कूलर और अन्य विद्युत उपकरण ठीक से नहीं चल पा रहे हैं। इससे बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं की परेशानी और बढ़ गई है।

ग्रामीणों का कहना है कि लो वोल्टेज के कारण बिजली उपकरण काम करना बंद कर देते हैं। कई बार बिजली विभाग को शिकायत देने के बाद भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया। लोगों का आरोप है कि विभागीय अधिकारी केवल आश्वासन दे रहे हैं, जबकि हालात दिन-ब-दिन खराब होते जा रहे हैं।ग्रामीणों ने मांग की है कि ट्रांसफार्मर और बिजली लाइन की जांच कर जल्द सुधार कार्य कराया जाए, ताकि भीषण गर्मी में लोगों को राहत मिल सके।

बसगढ़ी घाट नर्मदा में भव्य महाआरती का आयोजन

मण्डला। गंगा दशहरा पर्व के उपलक्ष पर नर्मदा तट बसगढ़ी घाट में भव्य महाआरती का आयोजन किया गया, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी के आवाहन पर संपूर्ण प्रदेश में जल संरक्षण आंदोलन किया जा रहा है जल संरक्षण को जान-जान से जोड़ने का अभियान जल गंगा संवर्धन अभियान 19 मार्च से 30 जून 2026 तक किया जाएगा जिसमें ग्रामीण जल संरक्षण, ऐतिहासिक जल स्रोतों का पुनर्जीवन, नदी संरक्षण एवं हरित विकास, जन जागरूकता एवं जल संरक्षण के विभिन्न कार्यक्रमो का आयोजन किया जा रहा है।

इसी कड़ी में 25 मई को संपूर्ण मध्य प्रदेश में गंगा दशहरा पर्व का आयोजन धूमधाम से किया गया, विकासखंड निवास के ग्रामों में जल स्रोत पूजन, कलश यात्रा, जल संरक्षण की शपथ, चैपाल एवं स्वच्छता श्रमदान कर गंगा दशहरा पर्व मनाया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत हिरनाछापर में सार्वजनिक तालाब की मेढ में वृक्षारोपण एवं सौंदर्यीकरण किया गया साथ ही पोषक ग्राम बसगढी के नर्मदा घाट में गंगा पूजन, दीपदान, कलश पूजन,चैपाल एवं संगीतमय महाआरती का आयोजन किया गया उक्त कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष श्रीमती मंजू कुलस्ते जनपद सदस्य श्री रॉबिनधर बडगैयां, सरपंच सुखवरीया बाई की उपस्थिति में संपन्न हुई, कार्यक्रम में संतोष रजक जिला महामंत्री,संजीत पांडेय जिला किसान मोर्चा, मंडल अध्यक्ष आकाश पांडेय, पूर्व मंडल अध्यक्ष यतींद्र मोहन विश्वकर्मा, निवास जनपद सीईओ श्रद्धा सोनी,जन अभियान परिषद विकासखंड निवास के जिम्मेदार कर्मचारी, एन.आर.एल.एम. से पूजा शर्मा,प्रसन्न झारिया,समाज सेवी काशीराम मरावी,सचिव गुलाब सिंह, पंच नारायण सिंह, चमर सिंह बाबा कुंवरलाल, बाबा हरिलाल, समाज सेवी कुंज बिहारी शुक्ला, उदय सिंह चैधरी, गंगाराम ,जन अभियान नवांकुर संस्था प्रभारी संजय चैधरी, प्रस्फुटन समिति बसगढ़ी से नारायण सिंह,हेमराज मरावी, जन अभियान मेंटर उत्तम सिंह, देवेंद्र सिंह, सी.एम.इंटर्स मालती मरावी, एमएसडब्ल्यू छात्र मंजू कुलस्ते,गायत्री कुंजम, देववती परस्ते ,स्मिता सिंगरोरे एवं भारी संख्या में नर्मदा भक्त उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

योजनाओं के नाम पर एन.जी.ओ भर रहे अपनी जेबे, लोगो की समस्याएं जहां की तहां...?

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। गैर सरकारी संगठनों का अब एक मात्र उद्देश्य पैसा कमाना होता हुआ जान पड़ रहा है? यदि देखा जावे तो सरकार भी इन गैर सरकारी संगठनों को दिल खोलकर धन मुहैया कराती जा रही है? लेकिन सरकार द्वारा जिन उद्देश्यों के लिए इन संगठनों को पैसा दिया जाता है, वह उन उद्देश्यो को भूलकर अपनी जेबो को भरने में लगे हुए देखे जाते है? इन गैर सरकारी संगठन व स्वंय सेवी संस्थाओ को विभागों की तरफ से भारी भरकम रकम अनुदान के रूप में सामाजिक कार्यो के क्रियान्वयन के लिए दी जाती है,लेकिन इस राशि का उपयोग सही दिशा में नही हो पाता है,इन संगठनों व संस्थाओं द्वारा सारे काम कागजों पर चलते हुए देखे जाते है, इनमें कई संगठन और संस्थाएं तो सिर्फ कागजो पर चलते हुए जान पड रही है, इस बात से सरकारी विभाग के अधिकारी भी इंकार नही कर रहे? मगर क्षेत्र में विभिन्न विभाग की योजनाओं के नाम पर दर्जनों एन जी ओ पैसा कमा रहे है? लेकिन विभाग इन पर लगाम नही लगा पा रहा है। इसके चलते योजनाओं का लाभ सही हितग्रहियों को नही मिल पा रहा है, आदिम जाति कल्याण विभाग में रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण, शिक्षा व विभिन्न योजनाओं के प्रचार प्रसार के लिए गैर सरकारी व स्वयंसेवी संगठनों को अनुदान दिया जाता है, जिसमें अधिकांश योजनाएं केन्द्र सरकार से ही आती है, परंतु इनके लिए राज्य शासन की अनुशंसा लगती है साथ ही जिला स्तर पर संबंधित संगठनों की मानीटरिंग भी की जाती है मगर यह सब मात्र कागजों तक ही सीमित ही नजर आ रहा है? विभागीय सूत्रो का कहना है कि लंबें समय से कई ऐसी स्वयं सेवी संस्थाएं भारी राशि अनुदान के रूप में ले रही है तो बमुश्किल दस फीसदी रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण के नाम पर दर्जनों प्रशिक्षण केन्द्र चलाना कागजों पर दिखा दिया जाता है और अधिकारी द्वारा उनकी निरीक्षण रिपोर्ट भी पेश कर दी जाती है? लेकिन इनमे से अधिकांश संगठन आस्तित्व में ही नही होते, एन जी ओ के लिए फंड वाली जो योजनाएं चलती है, उनके आवंटन के लिए पूरा नेटवर्क बना हुआ है, इनमें वाकायदा ठेका लिया जाता है और इसके बदले एडवांश राशि एन जी ओ से ली जाती है, शासन प्रशासन में ऊंची पहुंच और अपनी जुगाडू व्यवस्था के चलते प्रोजेक्ट पास हो जाते है और इनकी जांच रिपोर्ट भी ओ के हो जाती है, जिन आदिवासी इलाकों में करोड़ों रूपए की योजनाएं चलाई गई है, जिन इलाको में लगातार यह परियोजनाएं चल रही है, पर यहां के हालात नही सुधरे है, लोगों की जन समस्याएं जहां की तहां देखी जाने के बाद भी उनका निवारण नही हो पा रहा है? कुछ विभाग के अधिकारी स्वयं बताते है कि पैसा ऊपर से आता है तो सिफारिश के आधार पर प्रोजेक्ट फारवर्ड किए जाते है।

महिला को पत्थर मारकर चोट पहुंचाई

सांईखेड़ा। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस एक महिला द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है किवह अपने मायके ग्राम संसारखेड़ा जबारे बिसर्जन में शामिल होने के लिये गई हुई थी। गांव की अन्य महिलाओं के साथ खेरापति मंदिर के पास बैठकर जब भजन गा रही थी उसी दौश्रान गांव को रजनीश ठाकुर आया और बोला की यह मेरी माता है यहां पर भजन क्यों गा रही हो। इस बात को लेकर जब प्रार्थिया द्वारा उसे समझाने का प्रयास किया तो आरोपी द्वारा गंदी गंदी गालिया देते हुये जमीन पर से पत्थर उठाते हुये महिला के सिर में मारते हुये चोट पहुंचाई।

उधारी के पैसा चुकता करने की मारपीट

गाडरवारा। स्थानीय पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम बोदरी निवासी एक महिला द्वारा पुलिस थाने में अपने पति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मै मजदूरी का काम करती हूँ और मेरा पति बाजा बजानें का काम करता है। बीते हुये दिवस की बात है जब मेरे पति भगवानदास वंशकार नें मेरे घर की बकरी 5000/-रुपये में बेची थी। वही प्रार्थिया द्वारा अपनी रिस्तेदार पूजा बाई वंशकार से पहले लिये हुये उधारी के पैसा देने लगी तो इसी बात को लेकर प्रार्थिया के पति द्वारा गंदी गंदी गालिया देते हुये डंडे से मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई व जान से मारने की धमकी दी गई।

कही ऐसा तो नही कप्तान साहब ने स्थानीय मीडिया के सबालों से बचाने के लिये बनाई गई है दूरी...?

नगर में घटित हुई चोरी का खुलासा, 55 किलोमीटर दूर से किये जाने की सच्चाई ने वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका पर खड़े किये सवाल

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा

इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि जब नगर व क्षेत्र में कोई घटना घटित होती है तो उसकी सच्चाई को स्थानीय मीडिया से लेकर वहां की आम जनता द्वारा पुलिस द्वारा की जाने वाली कार्यवाही व पुलिस की सफलता पर अपनी नजर बनाये रखने में पीछे नही रहती है। वही दूसरी ओर जब किसी मामले की जांच होती है तो घटना की सत्यता व कार्यवाही पर आमजनता के बीच अनेक प्रकार के सवाल उठते हुये देखे जाते है। वही दूसरी ओर उन सबालों का जबाव जानने के लिये नगर के लोगों को मिडिया के माध्यम से अधिकारियों तक पहुंचाते हुये उनका जबाव सुनने के लिये उत्साहित होते हुये देखी जाती है..? घटना की सच्चाई को लेकर आमजन के बीच पैदा होने वाले सबालों का जबाव व उनका समाधान उस समय हो जाता है कि जब पुलिस द्वारा किसी मामले में की गई कार्यवाही पर सफलता प्राप्त करने के बाद मीडिया के समक्ष किये जाने वाले खुलासे के दौरान मीडिया व आम जनता के दिलों में पैदा होने वाले सबालों का जिम्मेदार अधिकारी जबाव देते हुये अपनी कार्यवाही से संतुष्ट करती है। यदि नगर में घटित होने वाली किसी घटना पर की गई कार्यवाही व सफलता का खुलासा पुलिस अधिकारियों द्वारा स्थानीय मीडिया से दूरी बनाते हुये 55 किलोमीटर दूर बैठकर किया जावे तो निश्चित ही पुलिस की सफलता पर सवाल खड़े होने से नही चूक पाते है तथा जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका भी स्थानीय थाने की पुलिस द्वारा की गई मेहनत पर पानी फेरने में पीछे नही रहती है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस जिला मुख्यालय से पुलिस द्वारा नगर में घटित हुई एक चोरी की घटना का जिस तरह खुलासा किया गया है। इस मामले में जिले के सक्षम अधिकारियों को स्थानीय मीडिया से दूरी बनाना चर्चा का विषय बनने से नही चूक पा रहा है..? क्योंकि पूर्व में समय में नगर में घटित हुई पाना पिन्चिस सहित अन्य प्रकार की चोरी की घटनाओं पर पुलिस द्वारा हासिल की जाने वाली सफलताओं का पुलिस द्वारा स्थानीय स्तर पर खुलासा करते हुये देखा जाता रहा है और उस खुलासे में खुद ही जिले के जिम्मेदार अधिकारी मौजूद रहते हुये पत्रकारों के सबालों का जबाव देते हुये क्षेत्र के जनता के बीच में कार्यवाही को लेकर उठने वाले सबालों का जबाव देते हुये संतुष्ट करने में पीछे नही रहते थें..? मगर नगर में घटित हुई सात चोरी की घटनाओं की सफलता का खुलासा स्थानीय मीडिया से दूरी बनाते हुये किया जाना जिले स्तर के अधिकारियों की भूमिका को चर्चा में ला दिया गया है..? वही नगर के जनता सहित पत्रकारों को ऐसा प्रतीत होने से नही चूक रहा है कि कही ऐसा तो नही जिला स्तर के जिम्मेदार पुलिस अधिकारी स्थानीय पत्रकारों के सबालों से बचने के लिये यह दूरी बनाई गई हो या फिर घटना से जुडी हुई किसी अन्य प्रकार की सच्चाई को नजर अंदाज किये जाने का परिणाम है..? खैर सच्चाई जो भी हो उसे तो पुलिस विभाग के जिला स्तर के अधिकारी ही जाने। मगर उनके द्वारा जारी की गई प्रेस विज्ञप्ति में उल्लेखित किया गया है कि गाडरवारा नगर में बीते हुये दिनों घटित हुई सात चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले आरोपी को पकड़ने में सफलता हासिल की गई है। जबकि मामले का उल्लेख मात्र एक ही चोरी की किया गया है..? इस तरह जारी की गई प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार पुलिस का कहना है कि चोरी की घटनाओं पर नरसिंहपुर पुलिस की बड़ी कार्यवाही। थाना गाडरवारा पुलिस ने 7 चोरी की घटनाओं का सफल खुलासा किया है जिसमें पकड़े गये आरोपी के पास से चोरी किये गये जेबर जप्त करने में भी सफलता हासिल कर ली गई है। बताया गया है कि चोरी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने एवं आमजन में सुरक्षा की भावना मजबूत करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीना के निर्देशन में पुलिस द्वारा लगातार सघन अभियान चलाया जा रहा है। जिसके चलते संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग, रात्रि गश्त एवं संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी की जा रही है। साथ ही चोरी की घटनाओं के खुलासे एवं आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया है। इसी के चलते गाडरवारा पुलिस द्वारा क्षेत्र में घटित हुई 7 चोरी की घटनाओं का किया खुलासा करते हुये लगभग 17 लाख का मशरूका बरामद किया गया है। बीते हुये 5 मई 2026 को नगर में आनंद विहार कॉलोनी के एक सूने मकान से सोने के जेवर चोरी होने की रिपोर्ट पर थाना गाडरवारा में अपराध पंजीबद्ध कर विशेष टीम गठित की गई। इस पुलिस टीम द्वारा तकनीकी एवं भौतिक साक्ष्यों का संकलन कर रेलवे स्टेशन गाडरवारा के पास से एक संदेही को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपी द्वारा अपना नाम राजकुमार उर्फ राकेश उर्फ रक्कू दुबे निवासी जिला सागर बताया गया। वही उसने 1 आनंद विहार कॉलोनी में सूने मकान में चोरी करना एवं चोरी का मशरूका नगर के अमरशांति कॉलोनी की झाड़ियों में छिपाना स्वीकार किया गया।आरोपी के मेमोरेंडम के आधार पर चोरी गया सोने-चांदी का मशरूका बरामद किया गया। सघन पूछताछ में आरोपी द्वारा करेली, सिहोरा एवं गाडरवारा क्षेत्र में अन्य चोरी की वारदातें करना भी स्वीकार किया गया। साथ ही आरोपी ने पान दुकान में चोरी एवं दो मोटरसाइकिल चोरी की घटनाएं करना भी स्वीकार किया है। आरोपी के पास से जप्त की गई सामग्री में सोने के 04 कंगन, 01 हार, 03 मंगल सूत्र, 02 जोड़ी झुमकी, 01 जोड़ी टॉप्स, 01 चेन, 01 मांग टीका, 02 अंगूठी, 01 पांचाली। चांदी की 01 जोड़ी पायल एवं 200 चांदी की अंगूठियां शामिल है। इस तरह कुल मशरूका कीमती लगभग 17 लाख रूपया बताई जा रही है। गिरफ्तार आरोपी राजकुमार उर्फ राकेश उर्फ रक्कू पिता रमेश कुमार दुबे निवासी ग्राम सुना थाना महाराजपुर जिला सागर निवासी है जिसके विरूद्ध थाना महाराजपुर,थाना केसली जिला सागर, थाना गाडरवारा, थाना सुआतला, थाना करेली जिला नरसिंहपुर में गृहभेदन, मोटरसाईकल चोरी, मारपीट, आर्म्स एक्ट, आबकारी एक्ट के तहत अनेक मामले दर्ज है। पुलिस द्वारा आरोपी को पकड़ने के लिये बनाई गई टीम में मुख्य रूप से गाडरवारा थाना प्रभारी निरीक्षक अशोक सिंह चौहान, चौकी प्रभारी सिहोरा उप निरीक्षक विजयपाल सिंह, उप निरीक्षक अर्जुन सिंह बघेल, अंकित रावत, गजराज सिंह, सहायक उप निरीक्षक राजेश तिवारी, प्रधान आरक्षक रामगोपाल सिंह राजपूत, परमानंद, अनुराग झारिया, आरक्षक रूपेन्द्र चौबे, विश्वजीत सिंह, बाल कृष्ण रघुवंशी, सुजीत बागरी, शिवम पटेल, दीपक राजपूत, ऐश्वर्य वेंकट, उत्तम उचाड़िया, सौरभ मिश्रा, हरिशंकर, अक्षय श्रीवास्तव, सृजल भार्गव, यश मेहरा, शुभम चौधरी, प्रदीप गुप्ता की अहिम भूमिका बताई जाती है। इस तरह देखा जावे तो निश्चित गाडरवारा थाना पुलिस द्वारा की गई मेहनत के चलते चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाला आरोपी पकड़ में आने से नही बच पाया है। मगर जिला स्तर के अधिकारियों द्वारा इस सफलता के खुलासे में स्थानीय मीडिया से बनाई गई दूरी ने अनेक अनसुलझे सबाल खड़ने करने में कोई कसर नही छोड़ी गई है।

अपनी परेशानियों को लेकर चिलचिलाती धूप के बीच अन्नदाताओं ने फिर भरी हुंकार, अपनी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। रात दिन खेतों में मेहनत करने वाले अन्नदाता की परेशानियों का निदान नही होता है तो उसे मजबूर होकर सड़क पर उतारना पड़ता है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये मंगलवार को उस समय देखने मिली जब चल रहे नौतपा के बीच चिलचिलाती धूप के बीच खेतों में मेहनत करने वाले किसानों को अपनी परेशानी व मांगों पूरी करने के लिये सड़को पर नारे लगाते हुये देखा गया। बताया जाता है कि अन्नदाताओं को अपने खेतों में लगाई गई फसल की सिंचाई के लिये पर्याप्त बिजली नही मिलने से लेकर अन्य परेशानियों को लेकर पूर्व में अनेको बार संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवेदन देते हुये गुहार लगाते हुये देखा गया। मगर जब उनकी परेशानियों का निदान नही हुआ तो बीते हुये मंगलवार को राष्ट्रीय किसान मजदूर संघ के बैनर तले एकत्र होकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौपते हुये आर पार की जंग का ऐलान करते हुये देखा गया। बताया जाता है कि बीते हुये मंगलवार को नगर सहित क्षेत्र के अनेक गांवों से आये हुये किसानों द्वारा नगर के पलोटन गंज देवी मंदिर के पास एक सभा का आयोजन करने के बाद सभी लोग एकत्र होकर अनुविभागीय अधिकारी के कार्यालय पहुंचे जहां पर प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौपा गया। सौपे गये ज्ञापन में अपनी मांगों को लेकर उल्लेखित किया गया है कि बिजली विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में सिंचाई सहित घरेलू उपयोग की बिजली का सुधार कार्य के नाम पर मनमाने तौर पर कटौती की जा रही है। वही दूसरी ओर समीपस्थ बनखेडी के किसानों के साथ बिजली विभाग द्वारा अभद्रता की गई है उसकी निंदा करते है। वही चालू वर्ष में मूंग व उडद फसल फसल की 100 प्रतिशत एमएसपी पर बिक्री निश्चित करने की मांग की गई। प्रदेश व जिले के हजारो किसान बेयर हाऊसों में रिक्त क्षमता शून्य होने के कारण गेंहू बिक्री के के लिये स्लाट बुक नही करा पाये है उन किसानों के लिये पुनः स्लाट उपलब्ध कराये जावे, ई टोकन के माध्यम से खाद वितरण प्रणाली में आ रही समस्याओं का निदान किये जावे। अनेक ग्रामों में चल रही गर्मी के दौरान पेयजल समस्या का सामना करना पड़ रहा है उसमें तुरंत सुधार कराया जावे। इन मांगों के साथ साथ राष्ट्रीय किसान मजदूर संघ द्वारा चेतावनी देते हुये उल्लेखित किया गया है कि यदि समय रहते हुये ज्ञापन के माध्यम से रखी गई मांगों का निराकरण नही होता है तो फिर उग्र आंदोलन के लिये मजबूर होना पड़ेगा..? इस मौके पर मुख्य रूप से युवा किसान नेता चौधरी आनंद सिंह कौरव के आलवा बसंत खैरोनिया, यशवंत पटैल, राज राजेन्द्र सिंह, मुकेश पटैल, गिरधारी लाल, महेश पटैल, किशन पटैल, राम शरण कौरव, महेश, हर्षित राय, खेत सिंह, आशीष कौरव, रघुवर पटैल, बडेलाल सहित भारी संख्या में क्षेत्र के किसान मौजूद थें।

गंगा दशहरा के अवसर पर नर्मदा में डुबकी लगाने उमड़ी भीड़

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

चल रहे अधिमास के दौरान जहां अनेक जगहो पर धार्मिक आयोजनों की धूम मची हुई देखी जा रही है। मगर इसी मास के बीच पड़े हुये गंगा दशहरा व मंगलवार के संगम पर्व के दौरान धर्म लाभ लेने के लिये लोगों में अनोखा उत्साह देखने मिला रहा था। बताया जाता है कि गंगा दशहरा के अवसर पर माँ नर्मदाजी व गंगा जी के बीच मिलन होता है। माँ गंगा माँ नर्मदाजी से मिलने के लिये आती है। इस दिवस नर्मदाजी के स्नान करना गंगाजी में स्नान के पर्व के समान माना जाता है। इस तरह गंगा दशहरा के पावन अवसर पर मंगलवार का दिन होना निश्चित तौर से काफी शुभकारी होने के चलते माँ नर्मदाजी के तटों पर दिन भर भक्तों की भीड़ लगी हुई देखने मिली और हजारों की संख्या में लोगों ने पहुंचकर माँ नर्मदाजी के निर्मल नीर में आस्था की डुबकी लगाते हुये पूजन अर्चन किया गया।

मादक पदार्थो के सौदागरों द्वारा युवाओं को अपनी लच्छेदार की गिरफ्त में लेकर लत का शिकार बनाने का किया जा रहा प्रयास..?

गाडरवारा। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि नगर की पुलिस द्वारा क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे मादक पदार्थो के खिलाफ कार्यवाही नही कर रही है..? पुलिस द्वारा लगातार कार्यवाही करते हुये इस अवैध कारोबार में लिप्त रहने वाले लोगों को जेल की सलाखों के पीछे भेजने के बाद भी मादक पदार्थ के अवैध कारोबार पर अंकुश लगने से नही चूक रहा है तो दूसरी ओर देखा जा रहा है कि इस नशीले जहर के सौदागरों द्वारा अपना धंधा चमकाने की नियत से इस तरह के सेन्टरों पर अपनी आमद देते हुये देखे जा रहे है जहां पर युवा पूर्णरूप से स्वास्थ्य रहने की सोच के चलते कसरत करने के लिये पहुंचते है। मगर मादक पदार्थो के सौदागरों द्वारा इन सेन्टरों पर किसी भी प्रकार से इन सेन्टरों के भागीदार बनकर यहां पर मौजूद रहने वाले युवाओं को लत का शिकार होने के लिये प्रेरित करने से नही चूक रहे है? इतना ही नही यदि कोई युवा इन द्वारा उन्हें गलत रास्ते पर चलने की बात को लेकर विरोध करता है तो उन भोरे भारे युवाओं के खिलाफ झूठे सांचे षडयंत्र रखने से भी नही चूक रहे है? इस तरह मादक पदार्थ के सौदागरों की सोच रहती है कि नगर में इस जहर की लत के शिकार होने वाले युवाओं की संख्या में इजाफा होगा तो उनका काला कारोबार तेज गति पकड़ने से नही चूक पायेगा? इस समय नगर में देख जावे तो नगर से जमाडा की ओर जाने वाले मार्ग पर जहां मादक पदार्थो का अवैध कारोबार जहां अलग ही गौरव हासिल करते हुये देखा जा रहा है?

पंचायतों के विकास कार्यों के नाम शासन को लग रहा चूना, अधिकारियों को मिल रहा प्रभावशाली वरिष्ठों का संरक्षण?

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। जिस प्रकार से सरकार द्वारा गांवों की सूरत बदलने के लिए पंचायती राज व्यवस्था लागू करके इसकी सफलता के लगातार प्रयास तो किये जा रहे है, मगर पंचायतों का विकास सिर्फ कागजों तक ही सीमित होते हुए दिखाई देने के साथ उनका कार्यकाल समाप्ति की ओर पहुंचते हुये दिखाई देने लगा है? जब ग्रामीण अंचलों की की ओर रूख किया जाता हो तो पंचायती राज के विकास कार्यो को पोल अपने आप की खुलते हुए दिखाई देने लगती है? क्योंकि पंचातयों में हुये विकास कार्य उसी सरपंच के कार्यकाल को पूरा नही हो पाने के पहले ही अपने गुणवत्ता की सच्चाई बताते हुए टूटते हुए दिखाई देने से नही चूक रहा है? यदि पंचायतों में शासन द्वारा विकास के नाम पर खर्च की जाने वाली राशि की सच्चाई पर गौर किया जावे तो अनेक पंचायत जहां धन राशि के आभाव से जूझ रही है तो अनेक पंचायत इस प्रकार की भी देखी जा रहा है जिनमें में प्रभावशाली वरिष्ठ अधिकारियों की कृपा दृष्टि होने के चलते उन पंचायतों को अनाप शनाप राशि आवंटित हो जाती है और पंचायतों के प्रतिनिधियों द्वारा उस राशि से जिस प्रकार का विकास किया जाता है उस विकास कार्य की उम्र सिर्फ पत्थरों में नाम लिखे जाने तक ही बनी हुई दिखाई देते हुए देखी जा रही है? इतना रही नही जिन पंचायतों को मनमानी धनराशि प्राप्त हो जाती है है उनके अधिकांश पंचायत जनप्रतिनिधियों ने ग्राम के समग्र विकास में रूचि न लेते हुए केवल अपने परिजनों, नजदीकी नाते रिश्तेदारों को उपकृत करने का ही काम किया जिसके चलते पंचायत का विकास कम और पंचायत प्रतिनिधियों का विकास होते हुए ज्यादा दिखाई दे रहा है, इस प्रकार की सच्चाई पर गौर किया जावे तो अनेक पंचातयों द्वारा जिस प्रकार से पूर्व के समय में तालाब सड़के आदि बनवाने कार्य किया गया है उन कार्यो में सिर्फ शासन की राशि बर्बाद होने के नजारे ही दिखाई पड़ रहे है? क्योंकि अनेक पंचायतों द्वारा ऐसी जगहों पर तालाब खुदवाये गये है जहाँ गर्मी तो ठीक बरसात में भी पानी नहीं रूकता क्योंकि यह स्थल ऊँचाई वाले क्षेत्र में हैं, वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि राजीव गाँधी जलग्रहण योजना के तहत जल का स्तर ऊँचा उठाने में भी कुछ इसी प्रकार की सच्चाई देखने मिलने के बाद भी अधिकारियों द्वारा इस प्रकार के विकास कार्यो को पास करते हुए पंचायतों को ओके रिर्पोट पेश करना जहां अधिकारियों की कार्य शैली पर प्रश्न वाचक चिन्ह लगाते हुए जान पड़ रहा है?

जमीन की बात को लेकर हुई मारपीट

गाडरवारा। समीपस्थ सालीचौका पुलिस चौकी से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम पचामा निवासी एक महिला द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि हमारा और गांव की किरण लोधी का खेत आस पास है। उस खेत की करीब एक महिना पहले राजस्व विभाग से नाप कराई गई थी जिसमें लगभग 19 डिस्मिल जगह प्रार्थिया के पति रामफल के हिस्से मे आने पर प्रार्थिया व उसका पति रामफल व लडका नितिन ट्रेक्टर चलवाकर सफाई कर रहे थे । तभी किरन लोधी आई और बोली की इस जमीन पर किसानी मत करना इसमें हम स्टे लेंगे और वह वहाँ से चली गई। इसके कुछ देर बाद उसके रिस्तेदार अंशुल लोधी, उमराव लोधी एवं रीतेश लोधी निवासी ग्राम पचामा प्रार्थिया के खेत पर आये और गंदी गंदी गालिया देने लगे। जब प्रार्थिया व उसके पति द्वारा गाली देने से मना किया तो सभी ने एक राय होकर लाठी डंडो से मारपीट करते हुये प्रार्थिया सहित उसके पति व बेटे के साथ मारपीट कर चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थिया की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

आखिरकार बगैर नम्बर के दौड़ रहे वाहनों की अनदेखी क्यों...?

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। शासन के नियमों को ताक में रखकर धड़ल्ले से नवयुवक वाहनो को बेखौफ होकर चलाते देखे जा रहे है। उल्लेखनीय है कि शहर की सड़को तथा गलियों में लहराते हुए नवयुक दुपहियो वाहन लेकर फर्राटे भर रहे हैं और यातायात नियमों का सरेआम उल्लंघन घर रहे है। वाहनों से नम्बर प्लेंटो को तरह तरह से सजाना वाहन मालिको विशेषकर युवा वाहनचालकों का शौक बन गया है, वही कुछ अपने वाहन में नंबर लिखवाना शान के विरूद्ध समझतें है, ऐसे वाहन अगर कोई दुर्घटना करते है तो उनकी तलाश पुलिस के लिए एक समस्या बन जाती है। संबंधित विभाग द्वारा चौराहों में खड़े होकर की जाने वाली चालानी कार्रवाई के दौरान नम्बर विहीन वाहनोचालको को नम्बर दर्ज कराने की हिदायत देकर चालानी कार्रवाई की जाती है, लेकिन बाद में कभी ये देखने की जरूरत महसूस नहीं करते कि वाहनों में नम्बर दर्ज है या नही? वाहनो की प्लेंटो पर प्रेस, डॉक्टर का चिन्ह बन वाना अब पुराना फैशन हो गया है। शहर में दर्जनों ऐसे वाहन खुलेआम सड़को पर दौड़ते रहते है, यदि इस प्रकार के वाहन कोई दुर्घटना करते हैं या फिर उनका उपयोग किसी अपराध में किया जाता है तो यह पता करना काफी मुश्किल हो जाता है कि वाहन है किसका है? अतः ऐसे वाहनो का भी सड़कों पर बेधड़क दौड़ना कम खतरनाक नहीं है। हमेशा कोई दुर्घटना हो या ऐसी वारदात जिसमें वाहन का प्रयोग किया गया हो..,, होने पर पुलिस के पास वाहन का नम्बर ऐसा अहम सुराग रहता है जिसके माध्यम से वह घटना दुर्घटना का शिकार बनने का, बनाने वाले का पता लगा सकती है, पर अगर वाहन मे नम्बर ही नही है तो सिर्फ गाड़ी के मॉडल या रंग के आधार पर कुछ भी पता हो पाना असंभव सा रहता है, जिस प्रकार से क्षेत्र में बढ़ रही अपराधिक घटनाओं को ध्यान में रखते हुए वाहनों में नम्बर डलवाने के लिए जिला प्रशासन से अपेक्षित पहल आवश्यक है।

मुख्य सड़क से लेकर नर्मदा पुल पर पशुओ का डेरा, मिल रहा है बड़ी घटना का खुला संकेत

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। पशु मालिको की मनमानी व प्रशासन की उदासीनता का परिणाम है कि इस जहां तहां घूमने वाले आवारा पशु निश्चित तौर से आमजन के लिये बड़ी घटना का संकेत बनने से नही चूक पा रहे है। क्योंकि यह पशु जहां प्रदेश से लेकर राष्ट्रीय स्तर के मार्गो पर अपना डेरा जमाये हुये पूरे मार्ग को अवरूद्ध करने से नही चूक रहे है, वही दूसरी ओर समीपस्थ झिकोली नर्मदा पुल के बीचों बीच बैठने वाले पशुओं से किसी दिन कोई बड़ी घटना का संकेत मिलने से नही चूक पा रहा है? अक्सर देखा जाता है कि मुख्य मार्गो पर बैठने वाहन इन पशुओं के चलते जहां वाहन चालक दुर्घटना की शिकार होना जहां आम बात हो चुकी है। वही दूसरी ओर जिस प्रकार से नर्मदा पुल पर इस समय पशुओं का डेरा जमा हो रहा है उसके चलते आम लोगों के साथ साथ पशुओं के जीवन के लिये भी बड़ा खतरा पैदा हो रहा है, जब पुल के बीचों बीच पशुओं का डेरा होता है उस दौरान वाहन चालको का निकलना मुश्किल हो जाता है। क्योंकि उन्हें इस बात की दहशत होती है कि ऐसा न हो कि जब वह अपना वाहन निकाल रहे हो उसी दौरान कोई पशुअ आपस में डलते हुये वाहन पर न गिर जावे यदि ऐसा होता है तो निश्चित तौर से पुल के चलते वाहन चालक अपने वाहन सहित सीधे नर्मदाजी में गिरने से नही बच पायेगा, वही दूसरी ओर इस प्रकार से पुल के ऊपर पशुओं का जमावड़ा लगा रहने के कारण मूक पशुओं के जीवन को भी पूरा पूरा खतरा पैदा होने से नही बच पा रहा है।

खबर संक्षेप

बकरीद को लेकर विक्रमपुर चौकी में शांति समिति की बैठक

विक्रमपुर। आगामी बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के उद्देश्य से विक्रमपुर पुलिस चौकी में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। यह बैठक पुलिस अधीक्षक डिंडोरी आशीष खरे के निर्देश पर चौकी प्रभारी अतुल हरदा की मौजूदगी में संपन्न हुई।बैठक में क्षेत्र के विभिन्न समुदायों के गणमान्य नागरिकए व्यापारीए जनप्रतिनिधि एवं समाजसेवी शामिल हुए। इस दौरान त्योहार के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखनेए आपसी भाईचारा कायम रखने तथा सामाजिक सौहार्द को मजबूत करने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।चौकी प्रभारी अतुल हरदा ने उपस्थित लोगों से अपील करते हुए कहा कि सभी नागरिक मिलजुलकर शांतिपूर्ण ढंग से त्योहार मनाएं और किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। उन्होंने प्रशासन का सहयोग करने तथा क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहभागिता निभाने की बात कही।बैठक में मौजूद नागरिकों एवं व्यापारियों ने भी पुलिस प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने का भरोसा दिलाया।

शांति समिति की बैठक में उठा अतिक्रमण का मुद्दा

अमरपुर। पुलिस चौकी अमरपुर में बकरीद त्यौहार के मध्य नजर पुलिस अधीक्षक डिंडौरी के निर्देशानुसार एवं वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। जिसमें विभिन्न समुदाय के लोग उपस्थित हुए। जिसमें संतोष यादव चौकी प्रभारी द्वारा त्यौहार में आयोजनों की जानकारी ली गई। जिसमें सभी उपस्थितजनों ने एकमतेन कहा कि यहां अभी तक सभी त्यौहार सद्भावना पूर्ण मनाएं जाते हैं। किसी भी प्रकार की कोई विवाद वगैरा नहीं होते हैं और आगे भी संभावना नहीं हैं। परंतु हर बैठक की तरह इस बैठक में भी सड़क के दोनों तरफ के अतिक्रमण की वजह से आए दिन कहीं भी जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती हैं। जिससे ग्रामीणों के साथ राहगीर भी परेशान होते हैं इस बैठक में नवागत चौकी प्रभारी से ग्रामीणों का परिचय भी हुआ। आयोजित बैठक में स्थानीय ग्राम सरपंच रामनाथ उद्देए जनपद सदस्य मालती तिवारीए महेंद्र ठाकुर अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अमरपुरए आकाश नामदेव मंडल अध्यक्ष भाजपा अमरपुरए सदर युसूफ खानए अनवर खानए गुलाब सिंह ठाकुरए संजय सिंगौरेए रमेश यादवए मनोज तंतुवायए रामकुमार वनवासीए माखन साहूए रामकृष्ण यादवए बलराम राजपूत के अलावा पुलिस चौकी स्टाफ उपस्थित रहे।

शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में योजनाओं समय पर पूर्ण करने के निर्देश

डिंडौरी।कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्टर सभाकक्ष में सर्व शिक्षा अभियान की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में संचालित विभिन्न योजनाओं एवं शैक्षणिक गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा की गई।समीक्षा के दौरान अपार आईडी एवं आधार एंट्रीए कक्षा पहली से आठवीं तक नामांकनए निःशुल्क साइकिल वितरणए निःशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण तथा मेंटर विजिट सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।कलेक्टर श्रीमती भदौरिया ने डीपीसीए बीआरसीए एपीसीए बीएसी एवं सीएसी को निर्देश दिए कि 1 जून से 15 जून 2026 तक प्रस्तावित मेंटर विजिट की प्रक्रिया निर्धारित समयसीमा में पूरी कराई जाए। उन्होंने जिले के सभी विद्यालयों में बालक एवं बालिका शौचालयों की स्थिति बेहतर बनाने और अधूरे स्कूल भवनों के निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश भी दिए।बैठक में कलेक्टर ने कहा कि विद्यालयों में भोजन बनाने एवं परोसने के लिए खरीदे गए नए बर्तनों की जियो टैग फोटो लेकर संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई जाएए ताकि सामग्री का व्यवस्थित रिकॉर्ड रखा जा सके।उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को सभी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में डीपीसीए एपीसीए बीएसीए सीएसी सहित शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में 61 आवेदन प्राप्त, कलेक्टर ने त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

डिंडौरी।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याओं एवं मांगों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। जनसुनवाई में कुल 61 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने सभी आवेदनों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को समयबद्ध एवं शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए।जनसुनवाई के दौरान नागरिकों ने पेयजल संकटए अधूरे निर्माण कार्यए लंबित भुगतानए प्रधानमंत्री आवास योजनाए आर्थिक सहायता एवं रोजगार से जुड़ी समस्याएं प्रमुख रूप से उठाईं।

विकासखंड समनापुर के ग्राम साल्हेघोरी के ग्रामीणों ने नल.जल योजना का कार्य पूर्ण न होने की शिकायत की तथा शीघ्र पेयजल आपूर्ति की मांग की। इस पर कलेक्टर ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई कर समस्या के निराकरण के निर्देश दिए।इसी प्रकार प्रधानमंत्री आवास कॉलोनी औरई रोड डिंडौरी में निर्माण कार्य में लगे मजदूरों ने ठेकेदार द्वारा मजदूरी भुगतान नहीं किए जाने की शिकायत की। कलेक्टर ने मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश मुख्य नगर पालिका अधिकारी को दिए।विकासखंड शहपुरा के ग्राम करौंदी निवासी श्री बसंत बनवासी ने आवेदन देकर बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत उन्हें आवास स्वीकृत है तथा तीन किस्तें प्राप्त हो चुकी हैंए लेकिन पिछले लगभग डेढ़ वर्ष से चौथी किस्त लंबित है। उन्होंने राशि जारी कराने की मांग की। इस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारी को प्रकरण की जांच कर शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए।जनसुनवाई में सीईओ जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरीए अपर कलेक्टर जेपी यादवए संयुक्त कलेक्टर सुश्री भारती मेरावीए एसडीएम डिंडौरी रामबाबू देवांगनए डिप्टी कलेक्टर वैद्यनाथ वासनिक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

गंगा दशहरा पर जिलेभर में चला जल संरक्षण अभियान, नदियों तालाबों की हुई साफ सफाई

डिंडौरी।

जल गंगा संवर्धन अभियान.2026श के तहत गंगा दशहरा के अवसर पर सोमवार को जिलेभर में जल संरक्षण एवं संवर्धन को लेकर व्यापक कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिला मुख्यालय सहित सभी विकासखंडों में नदियोंए तालाबोंए कुओं और पारंपरिक जल स्त्रोतों की साफ.सफाईए गहरीकरण एवं संरक्षण कार्य किए गए। कार्यक्रम कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के मार्गदर्शन में संपन्न हुए।जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम नर्मदा डेम घाट डिंडौरी में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष रूद्रेश परस्ते ने की। इस दौरान नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती सुनीता सारसए जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती अंजू ब्यौहारए नगर परिषद उपाध्यक्ष श्रीमती सारिका नायकए पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष नरेंद्र सिंह राजपूतए सांसद प्रतिनिधि सुधीर दत्त तिवारी सहित जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। इसके बाद स्थानीय कलाकारों और छात्र.छात्राओं ने लोकगीत एवं लोकनृत्य की प्रस्तुतियां दीं। उपस्थित लोगों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई तथा जल स्त्रोतों के संरक्षण में जनभागीदारी बढ़ाने का संदेश दिया गया।अपने संबोधन में जिला पंचायत अध्यक्ष रूद्रेश परस्ते ने कहा कि वर्तमान समय में जल संरक्षण अत्यंत आवश्यक हो गया है। उन्होंने कहा कि जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन से आने वाली पीढ़ियों के लिए पानी सुरक्षित रखा जा सकता है। उन्होंने लोगों से जल बचाने और पारंपरिक जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित करने में सहयोग करने की अपील की।कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने कहा कि जिले में जल संचय को बढ़ावा देने के लिए सोखता टैंकए कंटूर ट्रेंच एवं रेन वाटर हार्वेस्टिंग जैसे कार्य कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनसहभागिता से ही जल संरक्षण अभियान को सफल बनाया जा सकता है।कार्यक्रम के अंत में अतिथियों एवं अधिकारियों ने मां नर्मदा घाट पर दीपदान कर पूजा.अर्चना की। वहीं शहपुराए बजागए अमरपुरए करंजियाए समनापुर एवं मेंहदवानी क्षेत्रों में भी जल संरक्षण को लेकर श्रमदानए घाटों की साफ.सफाई एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

एकल अभियान की मासिक बैठक में जैविक एवं प्राकृतिक खेती पर प्रशिक्षण

डिंडौरी।

एकल अभियान अंचल डिंडौरी के अंतर्गत केन्द्र शहपुरा में दो दिवसीय मासिक बैठक एवं अभ्यास वर्ग का आयोजन किया गया। इस दौरान विकासखंड शहपुरा के एकल आचार्यों को विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया।कार्यक्रम में जैविक एवं प्राकृतिक खेती के संबंध में जानकारी देने के लिए भारतीय किसान संघ के जिलाध्यक्ष एवं नर्मदांचल गौ सेवा समिति के अध्यक्ष तथा जैविक कृषि विशेषज्ञ श्री बिहारी लाल साहू को आमंत्रित किया गया। अभ्यास वर्ग के दूसरे दिन आयोजित सत्र में उन्होंने गौवंश आधारित जैविक खेती के महत्वए जैविक उत्पाद तैयार करने की विधि तथा कृषि से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।उन्होंने केंचुआ खाद ;वर्मी कम्पोस्टद्ध तैयार करने की प्रक्रिया एवं उसके लाभों की जानकारी दी। साथ ही फसलों में कीट नियंत्रण के लिए नीमास्त्रए अग्निअस्त्र सहित विभिन्न जैविक तरल खादों के उपयोग के बारे में भी बताया। उन्होंने उकठा जैसे फफूंद जनित रोगों से बचाव के लिए बीजोपचार के महत्व पर विशेष जोर दिया।श्री साहू ने कहा कि प्राकृतिक खेती प्रकृति के सिद्धांतों पर आधारित है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि वन क्षेत्रों में पेड़ बिना रासायनिक उर्वरक और कीटनाशकों के भी संतुलित रूप से बढ़ते हैं और फल देते हैं। इसी प्रकार जैविक एवं प्राकृतिक कृषि पद्धतियां भूमि की उर्वरता बनाए रखने के साथ सुरक्षित स्वास्थ्य और बेहतर उत्पादन में सहायक होती हैं।कार्यक्रम में अंचल शिक्षा प्रशिक्षण प्रमुख प्रताप सिंह चंदेलए मेंहदवानी संच प्रमुख भानवती मरावीए शाहपुर संच प्रमुख भारत लाल धुर्वे सहित भागवती परस्तेए हीरो यादवए संजना परस्तेए अनीता परस्तेए ज्ञानतीए संध्याए निरंजनाए पुष्पांजलीए रोशनीए जानकीए रामसागरए मुन्ना सिंहए रामगोपालए फूलसाहए तीरथए तुषार मरावी सहित अन्य आचार्य एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डिंडौरी में वन विभाग की कार्रवाई अवैध सागौन चिरान लकड़ी जब्त

डिंडौरी।

सामान्य वनमंडल डिंडौरी के अंतर्गत वन परिक्षेत्र दक्षिण समनापुर में वन विभाग ने अवैध सागौन चिरान लकड़ी के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों से लकड़ी जब्त की है।यह कार्रवाई वनमंडलाधिकारी श्रीमती भारती ठाकरे एवं उप वनमंडलाधिकारी गाड़ासरई श्री सुरेन्द्र सिंह जाटव के निर्देशन तथा वन परिक्षेत्र अधिकारी रेवा सिंह परस्ते के नेतृत्व में की गई। जानकारी के अनुसार 25 मई 2026 की सुबह नियमित गश्ती के दौरान बीट अजगर अंतर्गत वन ग्राम लमोटा में दो स्थानों पर छापेमारी कर अवैध सागौन चिरान लकड़ी बरामद की गई।वन विभाग ने इस मामले में भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 26 एवं 52 के तहत जब्ती की कार्रवाई की है।कार्रवाई में वनरक्षक इन्द्रसिंह पट्टाए प्रेमवती मरावीए पवन कुमार यादवए वाहन चालक राकेश कुमार टेकामए सुरक्षा श्रमिक शुभम कुमार पट्टाए दादूलाल मरकाम तथा वन सुरक्षा समिति लमोटा के अध्यक्ष विष्णु सिंह का विशेष सहयोग रहा।वन विभाग ने जिन व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की हैए उनमें बसोरी सिंह उर्फ गंगाराम वाटिया एवं गलीराम पिता गरहु सिंहए निवासी ग्राम लमोटा ;विकासखंड समनापुरए जिला डिंडौरीद्ध शामिल हैं। विभाग द्वारा मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

संविदा स्वास्थ्य कर्मियों ने आंदोलन का ऐलान ए 2 जून तक मांगें नहीं मानी तो अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी

डिंडौरी।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ;एनएचएमद्ध के अंतर्गत कार्यरत संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर चरणबद्ध आंदोलन शुरू करने का निर्णय लिया है। प्रदेश कार्यकारिणी के आह्वान पर मध्यप्रदेश के करीब 32 हजार संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी 25 मई 2026 से आंदोलन में शामिल होंगे।डिंडौरी सहित प्रदेशभर के कर्मचारियों ने सरकार पर वादा खिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा है कि स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं राष्ट्रीय कार्यक्रमों को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के बावजूद उनकी मांगों पर लंबे समय से ध्यान नहीं दिया जा रहा है।संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघए जिला डिंडौरी के अध्यक्ष ओमप्रकाश उरैती ने बताया कि वर्ष 2023 की संविदा नीति एवं 30 जनवरी 2026 को किए गए नियमितीकरण संबंधी घोषणाओं को अब तक लागू नहीं किया गया हैए जिससे कर्मचारियों में आक्रोश बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि संविदा कर्मचारी प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ हैंए लेकिन उनकी समस्याओं के समाधान को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है संघ द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार 25 से 27 मई तक काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। इसके बाद 28 एवं 29 मई को कलेक्टरए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारीए सिविल सर्जन एवं बीएमओ को ज्ञापन सौंपे जाएंगे। वहीं 30 मई से 1 जून तक सांसदए विधायक एवं मंत्रियों सहित जनप्रतिनिधियों को मांगों से अवगत कराया जाएगा।संघ ने चेतावनी दी है कि यदि 2 जून 2026 तक सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो प्रदेशभर के संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी ऑफलाइन एवं ऑनलाइन कार्य बंद कर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे। इसके बाद भी समाधान नहीं होने पर मुख्यमंत्री निवास के घेराव की रणनीति बनाई जाएगी।

वर्षा पूर्व तैयारियों को लेकर प्रशासन सतर्क नहर सुधार और बांध गेट मरम्मत के निर्देश

डिंडौरी।

कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्टर सभाकक्ष में जल संसाधन विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में वर्षा ऋतु एवं आगामी रबी सिंचाई सत्र की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई। इस दौरान विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।बैठक में कार्यपालन यंत्री जल संसाधन विभाग ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में एक बिलगांव मध्यम सिंचाई परियोजना तथा 97 लघु सिंचाई योजनाएं संचालित हैं। इनमें 75 बांध और 22 एनीकटए डायवर्सन एवं सॉलिड वियर शामिल हैं।कलेक्टर श्रीमती भदौरिया ने निर्देश दिए कि वर्षा ऋतु से पहले नहरों की साफ.सफाई और आवश्यक मरम्मत कार्य समयसीमा में पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि किसान संघ के पदाधिकारियों के समन्वय से कार्य कर किसानों को बेहतर सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जाए।बैठक में स्लूस गेट एवं नहरों के हेड रेग्यूलेटर की मरम्मत कार्यों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बारिश शुरू होने से पहले सभी गेटों और संबंधित संरचनाओं की मरम्मत पूरी कर ली जाएए ताकि सिंचाई सत्र के दौरान संचालन में किसी प्रकार की समस्या न आए।नहरों के मरम्मत एवं पक्कीकरण प्रस्तावों पर चर्चा के दौरान बताया गया कि विभिन्न लघु सिंचाई योजनाओं के लिए प्राक्कलन तैयार कर स्वीकृति हेतु वरिष्ठ कार्यालय भेजे गए हैं। कलेक्टर ने ऐसी योजनाओं को प्राथमिकता देने के निर्देश दिएए जिनसे किसानों को तत्काल सिंचाई लाभ मिल सके।उन्होंने दनदनाए कुकर्राए चौराए नागदमन और राछो जलाशयों की नहर मरम्मत कार्यों की स्वीकृति प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने के भी निर्देश अधिकारियों को दिए।

संभाग आयुक्त ने वीसी के जरिए की विकास कार्यों की समीक्षा

डिंडौरी।

संभाग आयुक्त जबलपुर धनंजय सिंह भदौरिया ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न विभागों की योजनाओंए विकास कार्यों एवं निर्माणाधीन परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में जिले के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एवं विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।समीक्षा बैठक में किसान कल्याण एवं कृषि विकासए उद्योगए नगरीय विकास एवं आवासए पुलिसए खनिजए शिक्षाए स्वास्थ्यए वनए जनजातीय कार्यए राजस्वए महिला एवं बाल विकासए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीए जल संसाधनए पशुपालन एवं डेयरीए पंचायत एवं ग्रामीण विकासए वाटरशेडए कृषि तथा खाद्य विभाग से जुड़े कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई।संभाग आयुक्त ने अधिकारियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करनेए विकास कार्यों को निर्धारित समय.सीमा में पूर्ण करने तथा आमजन तक योजनाओं का अधिकतम लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए।बैठक के दौरान वनग्रामों में किसानों को पट्टा वितरण की प्रगति की भी समीक्षा की गई। साथ ही खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वाले व्यापारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।बैठक में कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरियाए डीएफओ श्रीमती भारती ठाकरेए जिला पंचायत सीईओ दिव्यांशु चौधरीए अपर कलेक्टर जेपी यादवए डिप्टी कलेक्टर वैधनाथ वासनिकए सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग राजेन्द्र कुमार जाटव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक सम्पन्न

ध्वनि विस्तारक यंत्रों द्वारा नियमों का उल्लंघन करने पर होगी कार्रवाई: कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। जिले में 28 मई 2026 को मुस्लिम समुदाय द्वारा ईदुज्जुहा का त्यौहार मनाया जाएगा। इस दिन मस्जिदों ईदगाहों पर नमाज अदा की जाएगी। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता और पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा की मौजूदगी में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक सम्पन्न हुई। जिससे ईदुज्जुहा का त्यौहार जिले में शांतिपूर्वक मनाया जा सके। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने आयोजित बैठक में ध्वनि विस्तारक यंत्रों के लिए नियमों का पालन करने के निर्देश दिए। कोई भी व्यक्ति या आयोजक कर्ता ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग में नियमों का उल्लंघन नहीं करेगा। नियमों का उल्लंघन करने की स्थिति में ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग करने वाले आयोजक कर्ताओं पर कार्यवाही की जाएगी। ईदुज्जुहा का त्यौहार चिन्हित स्थानों पर शांतिपूर्वक मनाया जाएगा, इस अवसर पर साफ-सफाई एवं सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे।

कार्यपालिक दंडाधिकारियों दिए निर्देश

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने ईदुज्जुहा के त्यौहार पर पानी की सप्लाई करने और मस्जिदों ईदगाहों के आसपास साफ-सफाई कराने के निर्देश मुख्य नगर पालिका अधिकारी को दिए। त्यौहार के अवसर पर जिले में विद्युत आपूर्ति सतत बनाए रखने को कहा। मस्जिदों ईदगाहों के आसपास की लाईट का विशेष ध्यान रखने के निर्देश विद्युत विभाग के अधिकारियों को दिए गए। उन्होंने सिविल सर्जन को निर्देशित किया कि त्यौहार के दौरान अस्पताल एवं जिले के समस्त स्वास्थ्य केन्द्रों पर आकस्मिक चिकित्सा दल की ड्यूटी दवाओं और एम्बुलेंस सहित तैयार रखी जावे। जिले में नमाज स्थलों पर कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस विभाग के द्वारा बल तैनात रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर कार्यपालिक दंडाधिकारियों और होमगार्ड बल की ड्यूटी भी लगाई जाए। परिवहन विभाग यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। बैठक में बंटी सलूजा, अभिषेक नेमा, लाल साहब जाट, विनय जैन, एड. बाबी खान सहित संबंधित विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

चक्काजाम को लेकर प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

जिला दंडाधिकारी श्रीमती रजनी सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के तहत नरसिंहपुर जिला सीमा क्षेत्र के अंतर्गत लोक शांति, सुरक्षा एवं सुचारू आवागमन बनाए रखने के लिए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश के मुताबिक नरसिंहपुर जिले की राजस्व सीमाओं के भीतर किसी भी सड़क दुर्घटना के विरोध में किसी भी व्यक्ति, समूह, परिजनों या आम जनता द्वारा मुख्य मार्गों, चैराहों या किसी भी सड़क पर आवागमन बाधित (चक्काजाम सड़क जाम) नहीं किया जाएगा। दुर्घटना स्थल या उसके आसपास शांति भंग करने, शासकीय कार्य में बाधा डालने या यातायात रोकने के उद्देश्य से गैर कानूनी रूप से भीड़ एकत्र करना पूर्णतरू प्रतिबंधित रहेगा। किसी भी व्यक्ति या संगठन के द्वारा सोशल मीडिया (व्हाट्सएप, फेसबुक आदि) या लाउड स्पीकर मौखिक रूप से चक्काजाम करने के लिए भीड़ को उकसाना या अफवाह फैलाना प्रतिबंधित रहेगा। यह आदेश कानून व्यवस्था ड्यूटी में तैनात प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस बल, एम्बुलेंस, फायर बिग्रेड और शव वाहनों पर लागू नहीं होगा। इस आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियोंध समूहों के विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 (बीएनएस) की सुसंगत धाराओं (जैसे लोक सेवक के आदेश की अवहेलना, लोक मार्ग में बाधा उत्पन्न करना आदि) के तहत दंडात्मक एवं वैधानिक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश 26 मई 2026 से आगामी 60 दिनों (दो माह) की अवधि तक सम्पूर्ण जिले में प्रभावशील रहेगा।

लोक शांति भंग होने पर होगी कार्रवाई

उल्लेखनीय है कि नरसिंहपुर जिले के अंतर्गत विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्गों, राजकीय मार्गों एवं आंतरिक मार्गों पर सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु या घायल होने की घटनाओं के पश्चात प्रायः परिजनों एवं आम नागरिकों द्वारा कानून व्यवस्था को हाथ में लेते हुए तत्काल सड़क जाम (चक्काजाम) कर दिया जाता है। इस प्रकार के अचानक किए जाने वाले सड़क जाम से आपातकालीन सेवाओं जैसे एम्बुलेंस, फायर बिग्रेड एवं पुलिस वाहन बाधित होते हैं, जिससे मरीजों की जान को खतरा उत्पन्न होता है। आम जनता, स्कूली बच्चों, महिलाओं और वृद्धों को असुविधा का सामना करना पड़ता है। दुर्घटना के शिकार घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाने में विलंब होता है। लोक शांति भंग होने एवं शासकीय निजी सम्पत्ति को नुकसान पहुंचने की प्रबल आशंका बनी रहती है। ऐसी आकस्मिक परिस्थितियों में प्रभावित पक्षों को तत्काल वैधानिक एवं आर्थिक सहायता जैसे त्वरित अंतरिम राहत मुआवजा प्रदान करने के लिए जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन सदैव तत्पर रहता है। कानून को हाथ में लेकर चक्काजाम करना पूर्णत अनुचित एवं गैर कानूनी है। इस पर जिला दंडाधिकारी श्रीमती रजनी सिंह ने उक्त आदेश जारी किया है।

खबर संक्षेप

वार्षिक प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में हुए विविध कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। श्रीदेव नरसिंह मंदिर में विराजमान भगवान पञ्चमुखी श्री गणेश महाराज का वार्षिक प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के उपलक्ष में विविध कार्यक्रम हुए। इस दौरान भगवान श्री गणेश जी महाराज का प्रातः अभिषेक अर्चन अनेक प्रकार के फलों से श्रृंगार षोडशोपचार एवं पूजन हवन हुआ। दोपहर में भजन हुए। संध्या काल शाम 7 बजे महाआरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। वहीं श्रद्धालुओं द्वारा अपने अपने घरों से लाए गए छप्पन भोग प्रसाद का वितरण किया गया। उक्त कार्यक्रम पुजारी जवाहर दुबे, पंडित ऋषि मिश्रा एवं मुख्य पुजारी प्रमोद सोनकिया के मार्गदर्शन में किया गया। विदित हो कि 25 मई 2023 को शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती महाराज के मार्गदर्शन और सानिध्य में नरसिंह मंदिर में पंचमुखी भगवान श्री गणेश की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई थी।

जनसुनवाई में आए 145 आवेदन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। राज्य शासन के निर्देशानुसार नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के उद्देश्य से प्रत्येक मंगलवार को जनसुनवाई का आयोजन किया जाता है। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में आवेदकों की विभिन्न समस्याओं का निराकरण कर उन्हें शासन की योजनाओं से लाभांवित किया गया। जनसुनवाई में 145 आवेदन पत्रों पर सुनवाई की गई।

व्यावसायिक शिक्षकों ने श्रम अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मध्य प्रदेश स्कूल शिक्षा विभाग में पिछले एक दशक से सेवाएं दे रहे व्यावसायिक शिक्षकों का सब्र अब जवाब देने लगा है। सोमवार को नवीन व्यावसायिक शिक्षा प्रशिक्षक महासंघ जिला इकाई नरसिंहपुर के बैनर तले लगभग 40 व्यावसायिक प्रशिक्षकों ने जिला मुख्यालय पहुंचकर अपनी मांगों को लेकर श्रम अधिकारी व जिला शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन का नेतृत्व महासंघ के प्रदेश सचिव अंकित खरे एवं जिला अध्यक्ष श्रीमती अनीता दीक्षित ने किया। व्यावसायिक शिक्षकों का दर्द है कि वे पिछले 10 वर्षों से विभाग में कार्यरत हैं, लेकिन आज तक उनके मानदेय में एक रुपये की भी बढ़ोतरी नहीं की गई। इससे भी बड़ी पीड़ा यह है कि पहले इन्हें मिलने वाला मासिक एक आकस्मिक अवकाश भी विभाग द्वारा हटा दिया गया है। शिक्षकों ने देओ एवं श्रम अधिकारी को बताया कि अल्प मानदेय और सुविधाओं के अभाव में परिवार चलाना मुश्किल हो रहा है। जिलाध्यक्ष श्रम अधिकारी ने शिक्षकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और आश्वासन दिया कि उनकी सभी मांगों को आयुक्त कार्यालय, भोपाल तक पहुंचाया जाएगा। साथ ही समस्याओं के शीघ्र निराकरण का भी भरोसा दिलाया। इस दौरान जिला सचिव उत्तम डेहरिया, वैभव शर्मा, मीडिया प्रभारी श्रीमती संगीता श्रीवास्तव, कमलेश दुबे, यश राजपूत एवं जिला कोषाध्यक्ष सुरेंद्र चैधरी सहित जिले भर के व्यावसायिक प्रशिक्षक उपस्थित रहे।

साक्षात देवी और वैराग्य की प्रतिमूर्ति हैं मां नर्मदा: कथा व्यास

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गोकुल नगर में आयोजित सात दिवसीय नर्मदापुराण ज्ञान यज्ञ में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। कथावाचक ज्योतिषाचार्य डॉ. दीपेश दुबे कटारे द्वारा संगीतमय शैली में मां नर्मदा की महिमा का गुणगान किया जा रहा है। कथा के दौरान उन्होंने बताया कि पुरुषोत्तम मास में की जाने वाली भक्ति और कथा श्रवण का सौ गुना पुण्य फल प्राप्त होता है। इस धार्मिक अनुष्ठान के मुख्य यजमान देवेश और भावना विश्वकर्मा हैं, जिनके द्वारा क्षेत्रवासियों के सहयोग से इस भव्य दिव्य आयोजन को संपन्न कराया जा रहा है। कथाव्यास ने मां नर्मदा के वैराग्य प्रसंग का मार्मिक वर्णन करते हुए बताया कि अमरकंटक की धरा से जुड़ी नर्मदा, सोनभद्र और जुहिला की पौराणिक कथा बेहद संदेशप्रद है। राजकुमारी नर्मदा और राजकुमार सोनभद्र का विवाह तय हुआ था, लेकिन जुहिला के कारण उत्पन्न हुए भ्रम और विश्वासघात के चलते मां नर्मदा ने आजीवन कुंवारी रहने का संकल्प ले लिया। इसी आत्मसम्मान और क्रोध के कारण उन्होंने अपनी दिशा बदल ली और पूर्व के बजाय पश्चिम की ओर प्रवाहित होने लगीं। इस दौरान कथा में इसके भौगोलिक साक्ष्यों का भी उल्लेख किया गया कि किस प्रकार आज भी नर्मदा नदी उल्टी दिशा में बहकर अरब सागर में मिलती है, जबकि सोनभद्र उत्तर की ओर बहते हुए गंगा में समाहित होते हैं और जुहिला एक छोटी जलधारा के रूप में सोन नदी में मिल जाती है। इस दिव्य प्रसंग को सुनकर पांडल में मौजूद सभी श्रद्धालु भावविभोर हो गए।

झोपड़ी को लेकर विवाद की मारपीट

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। बीती रात थाना क्षेत्र कोतवाली क्षेत्र की जगदंबा कालोनी मे निवास करने वाले मथुरा चैधरी के साथ 5 लोगों द्वारा मारपीट की गई। घायल मथुरा ने बताया कि शासकीय भूमि पर झोपड़ी बनाकर निवास कर रहा था जिस कुछ स्थानीय लोगों द्वारा झोपड़ी हटाने की बात कही जिसे लेकर विवाद हो गया और मारपीट कर दी गई। घायल ने बताया कि वह बीत 15 दिन से धमकी दे रहे थे जिसे लेकर थाना कोतवाली गए थे परन्तु पुलिस ने कोई शिकायत दर्ज नही की उसके उपरांत पीड़ित मंत्री प्रहलाद पटेल से मिलने पहुंचे जहां पर पुलिस ने नही मिलने दिया और बीती रात कुछ महिला एवं पुरूषों द्वारा मारपीट कर घायल कर दिया गया। फिलहाल घायल का उपचार जिला चिकित्सलय में जारी है।

ग्राम करकबेल में साफ-सफाई व्यवस्था चरमराई
कचरे के ढेर और जाम नालियां बनीं बीमारी का कारण

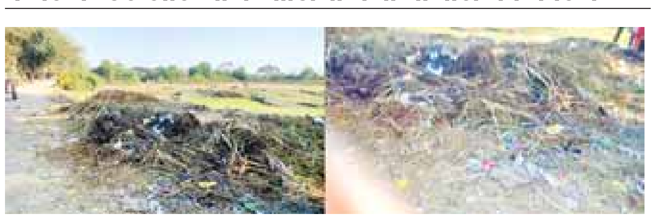

गोटेगांव। जनपद पंचायत गोटेगांव अंतर्गत ग्राम पंचायत करकबेल में साफ-सफाई व्यवस्था बदहाल होती जा रही है। एक ओर शासन-प्रशासन स्वच्छता अभियान चला रहा है, वहीं दूसरी ओर गांव में गंदगी का अंबार लगा हुआ है।गांव के मुख्य मार्गों, चौराहों और सार्वजनिक स्थानों पर कचरे के ढेर लगे हुए हैं। नालियों की नियमित सफाई नहीं होने से गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है, जिससे राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।ग्रामीणों का कहना है कि गंदगी और मच्छरों के बढ़ते प्रकोप के कारण डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। उनका आरोप है कि इस संबंध में सरपंच एवं पंचायत प्रशासन को कई बार मौखिक और लिखित शिकायतें दी जा चुकी हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है तथा सफाई कर्मचारी भी नियमित रूप से नहीं पहुंच रहे हैं।ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल विशेष सफाई अभियान चलाने और कचरा निपटान की उचित व्यवस्था करने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं किया गया तो वे आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

श्रीधाम हॉस्पिटल में महिला के पेट से 13 किलो का ट्यूमर सफलतापूर्वक निकाला

गोटेगांव। नगर के श्रीधाम हॉस्पिटल में डॉक्टरों ने एक जटिल ऑपरेशन कर महिला के पेट से 13 किलो वजन का ट्यूमर सफलतापूर्वक निकालकर नई जिंदगी दी है।जानकारी के अनुसार गाडरवारा निवासी 43 वर्षीय राजकुमारी यादव लंबे समय से पेट दर्द से पीड़ित थीं। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वह बड़े अस्पताल में उपचार नहीं करा सकीं। परेशानी बढ़ने पर उन्हें श्रीधाम हॉस्पिटल लाया गया, जहां जांच के दौरान पेट में बड़ी गांठ होने का पता चला।मामले की गंभीरता को देखते हुए डॉ. अमरेंद्र वर्मा और डॉ. अशिता दुबे ने स्थानीय स्तर पर ही ऑपरेशन करने का निर्णय लिया। करीब दो घंटे तक चले ऑपरेशन के बाद महिला के पेट से 13 किलो का ट्यूमर सफलतापूर्वक बाहर निकाला गया।ऑपरेशन के बाद मरीज की स्थिति में लगातार सुधार हो रहा है। इस सफल सर्जरी की क्षेत्र में सराहना की जा रही है। वहीं मरीज के परिजनों ने डॉक्टरों एवं अस्पताल प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया है।

सिद्धेश्वर शक्ति केंद्र भाजपा गोटेगांव की बैठक संपन्न

गोटेगांव। विगत दिवस गोटेगांव खेड़ा स्थित ग्राम पंचायत खेड़ा में भारतीय जनता पार्टी के सिद्धेश्वर शक्ति केंद्र की बैठक आयोजित की गई। बैठक नगर भाजपा मंडल प्रभारी पंडित संतोष दुबे की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक में आगामी प्रसारण कार्यक्रम को लेकर चर्चा करते हुए इसे अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने की रणनीति बनाई गई। संगठन की मजबूती, बूथ स्तर पर सक्रियता तथा केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया। कार्यकर्ताओं से गांव-गांव जाकर लोगों को ₹मन की बात₹ कार्यक्रम से जोड़ने का आह्वान किया गया।इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष श्रीमती अंजनी सोनी, गोटेगांव खेड़ा सरपंच श्रीमती प्रियंका खेमरिया, अभिषेक सोनी, ओम दुबे सहित नागरिक बंधु एवं महिला कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक का समापन संगठन की मजबूती और राष्ट्रहित में कार्य करने के संकल्प के साथ हुआ।

नर्मदा में डूबने से बालक की मौत

सुरक्षा के इंतजामों को लेकर फिर उठे सवाल

तेंदूखेड़ा। मंगलवार को गंगा दशहरा के अवसर पर गाडरवारा तेंदूखेड़ा के बीच नर्मदा नदी के पावन तट ककरा घाट पर सुबह-सुबह नहाने गये एक बालक की डूबने की दुखद निधन हो गया। लगातार नर्मदा घाटों पर हो रही इस तरह की घटनाओं दुर्घटनाओं को लेकर सुरक्षा को लेकर अनेकों बार सबाल उठे लेकिन कोई उचित इंतजाम नहीं किए गए।हर पूर्णिमा अमावस्या और त्यौहार विशेष पर यहां पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर स्नान कर पूजन अर्चन भंडारा प्रसादी वितरण पिकनिक मनाया करते हैं।घाट पर दुर्घटना संभावित स्पाट पर किसी भी प्रकार की कोई उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण अनभिज्ञ व्यक्ति इस भंवरजाल में फंसकर असमय काल के समा जाते हैं।

पार्किंग व्यवस्था और बाहनों का जाम भी एक समस्या

इस सड़क मार्ग पर गाडरवारा तेंदूखेड़ा के लिए सैकड़ों बाहनों की आवा-जाही मची रहती है।इसी बीच भारी वाहनों एन टी पी सी से फ्लाइश लेकर जाने वाले वाहनों की आवाजाही अंधी रफ्तार से नदी के ऊपर से बनें पुल से लेकर दोनों तरफ जाम की स्थिति बनी रहती है।छोटे छोटे बाहनों को निकलने में परेशानी हुआ करती है। घाटों पर अल्प पुलिस व्यवस्था इस आवाजाही को सुलझाने में ही लगे रहते हैं और नीचे घाटों तक नहीं पहुंच पाते हैं।

पालक वर्ग नहीं दे रहे ध्यान

चूंकि घटनाओं को घटित होने में पालक वर्ग भी बराबरी का हकदार है।केवल प्रशासन पर दोष मढ़ना भी ठीक नहीं है। अपने अपने पाल्यों को जवाबदारी पूर्वक भेजना फिर उनकी हर गतिविधि पर नजर रखने तक पालक की जिम्मेदारी ही बनती है।ककरा घाट पर पिलरों के पास बड़े बड़े खाई नुमा गड्ढों उनमें लगे जालों में फंसने के कारण डूबनें वाले बाहर नहीं निकल पाते हैं इस जगह पर काफी दूर से ही फेसिंग की जरूरत है।समय समय पर आवागमन पार्किंग और घाटों प्रकाश व्यवस्था शौचालय कपड़े चेंजिंग रूम सहित विभिन्न विंदुओं पर समाचार पत्रों के माध्यम से प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराया जाता है लेकिन इस दिशा में आज तक कोई उचित पहल व्यवस्था नहीं हो सकी है केवल स्थानीय ग्राम पंचायतों को ही व्यवस्था करने फरमान जारी कर अधिकारी अपने कर्तव्यों की इति श्री समझ बैठते हैं।

जब तक पेयजल समस्या का स्थाई निदान नहीं तब तक नहीं डालेंगे वोट और नेताओं को गांव में नहीं आने देंगे

ग्राम बिजोरा का ऐतिहासिक निर्णय

तेंदूखेड़ा। इन दिनों चांवरपाठा विकास खंड में पेयजल समस्या गंभीर बनीं हुई है।बेहताशा गिरते जमीनी जल स्तर के कारण हेंडपंपों से पानी की जगह हवा निकल रही है और यदि कहीं पानी भी निकल रहा है तो मचा हुआ लाल पीला।इसे लेकर ग्रामीण जन परेशान हैं।इस परेशानी से चांवरपाठा विकास खंड के अंतर्गत आने वाला ग्राम मानकपुर विजोरा बुरी तरह से प्रभावित बना हुआ है। अनेकों बार पी एच ई विभाग के अधिकारियों को सूचित करने के बाबजूद भी जब समस्या का स्थाई समाधान नहीं हुआ तो यहां के लोगों ने एक ग्राम सभा का आयोजन किया जिसमें ग्राम के लगभग सभी वर्गों के लोगों ने भाग लिया और बैठक में गांव में वर्षों से बनी हुई भीषण पेयजल समस्या एवं पानी की किल्लत को लेकर गंभीर चर्चा हुई।जिसमें गांव वासियों ने सर्वसम्मति से बड़ा निर्णय लिया है कि जब तक ग्राम बिजोरा में माँ नर्मदा का जल नहीं पहुंचाया जाता स्थाई समाधान नहीं होता है तब तक ग्रामवासी ग्राम पंचायत विधानसभा एवं लोकसभा सहित सभी चुनावों का पुरजोर बहिष्कार करेंगे और किसी भी प्रकार के मतदान में हिस्सा नहीं लेंगे।

गांव में नेताओं के प्रवेश पर रोक रहेगी

गांव के लोगों ने यह भी निर्णय लिया है कि जब तक पेयजल समस्या का स्थाई समाधान नहीं होता है तब तक ग्राम का कोई भी व्यक्ति किसी नेता को निजी अथवा सार्वजनिक कार्यक्रम में आमंत्रित नहीं करेगा। हमारे प्रतिनिधि को ग्राम के ही वरिष्ठ रिटायर शिक्षक गायत्री परिवार के वरिष्ठ पदाधिकारी वृन्दावन पटेल ने कहा है कि वर्षों से केवल आश्वासन मिले हैं लेकिन ग्राम की मूल समस्या आज भी जस की तस बनी हुई है। अब ग्रामवासी अपने अधिकार के लिए एकजुट होकर निर्णायक लड़ाई लड़ेंगे।

हम अपना अधिकार मांगते नहीं किसी से भीख मांगते

बिगत 25 वर्षों से हर एक जनप्रतिनिधि के सामने पानी का मुद्दा उठाया गया ।वन विभाग ने तालाब बनवाया टूट गया है 15 साल पहले जल भराव हेतु पंचायत ने गहरीकरण किया इसके बाद तार बाउंड्री के कारण प्रवेश वर्जित हो गया।नालों में छोटे छोटे डेम बनाये गये पर जलभराव फिर भी नहीं हो पाता।

सतीश पटेल मीडिया प्रभारी किसान संघ

खेतों में आधा आधा नोजल चलाकर एकड़ दो एकड़ ठंड के सीजन में हल्की सिंचाई करके किसान अपना गुजारा करते हैं। गर्मी में हजारों एकड़ भूमि पानी के अभाव में खाली पड़ी रहती है मंहगाई के इस दौर में क्या कैसे गुजारा होता है वो स्थानीय किसान ही समझ सकते हैं गर्मी में मार्च के बाद से ही हैंडपंप इशारा करने लगते हैं मई आते आते पानी की जगह हवा उगलने लगते हैं।

यशवंत पटेल वरिष्ठ पदाधिकारी
राष्ट्रीय किसान मजदूर संघ

गांव में स्वयं के ट्रेक्टरों से सुदूर खेतों से टेंकर भरकर पानी की पूर्ति की जाती है।मर्रावन से लेकर अमथनु तक लगभग 45 ग्राम हर साल की गर्मी में पानी की विकट समस्या से जूझते आ रहे हैं इस साल गर्मी का सीजन लम्बा हो गया बीच में पानी गिरा नहीं इसलिए गांव में पानी को लेकर हाहाकार मच गया।

द्वारका प्रसाद झारिया
सरपंच ग्राम पंचायत मानकपुर विजोरा